<u>जनता कॉलेज बकेवर, इटावा उत्तर प्रदेश में विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन के जन्म- सप्ताह के अंतर्गत</u> शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली ,भारत सरकार तथा छत्रपति शाहूजी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार

दि. <u>18 दिसंबर से 24 दिसंबर 2023 तक गणित सप्ताह का आयोजन आरंभ किया गया</u> |

गणित सप्ताह में प्रत्येक दिवस पर विभिन्न आयोजन एवं विज्ञान से संबंधित गतिविधियां आयोजित की गई, गणित सप्ताह का समापन दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी द्वारा किया गया |

--------- संक्षिप्त रिपोर्ट---------

18 दिसंबर 23| शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली ,भारत सरकार तथा कानपुर विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन के जन्म- सप्ताह के अंतर्गत जनता कॉलेज बकेवर के संगोष्ठी सभागार में राष्ट्रीय गणित दिवस- 2023 के अवसर पर गणित विभाग की प्राध्यापक डॉ. इंदु बाला मिश्रा के संयोजन में दि. 18 दिसंबर से 24 दिसंबर तक गणित सप्ताह का आयोजन आरंभ किया गया, गणित सप्ताह का समापन दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी द्वारा किया गया |

<u>1-शुभारंभ उद्बोधन</u>-

विराट मौलिक तर्कशक्ति के धनी, विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे श्री निवास रामानुजन-

- प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी (प्राचार्य)

बकेवर, 18 दिसंबर | शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली ,भारत सरकार तथा कानपुर विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार जनता कॉलेज बकेवर के संगोष्ठी सभागार में राष्ट्रीय गणित दिवस- 2023 के अवसर पर दि. 18 दिसंबर से 24 दिसंबर तक गणित सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है | विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म सप्ताह को श्रीनिवास रामानुजन की विरासत का उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है | श्रीनिवास रामानुजन के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि संख्या के जादूगर, मौलिक तर्कशक्ति वाले गणितज्ञ हमारे भारतवर्ष में जन्मे श्रीनिवास रामानुजन विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे | डीन विज्ञान संकाय डॉ. नलिनी शुक्ला ने अपने उद्बोधन में श्रीनिवास रामानुजन के जीवन परिचय को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखते हुए कहा कि उन्होंने अपने 32 वर्ष के छोटे से जीवन में गणित के 3900 सिद्धांत बनाए, ब्रिटेन के महान गणितज्ञ प्रो. जी. एच. हार्डी ने महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को नेचुरल जीनियस का खिताब दिया था, 22 दिसंबर 1887 को जन्मे श्रीनिवास रामानुजन की मृत्यु केवल 32 वर्ष की उम्र में 26 अप्रैल 1920 को हो गई थी | कार्यक्रम संयोजका डॉ इंदु बाला मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि साधारण और संसाधनविहीन परिवार में जन्मे श्रीनिवास रामानुजन ने 12 वर्ष की छोटी उम्र से ही गणित विषय की प्रमेयों पर कार्य शुरू कर दिया था, उनके द्वारा खोजे गए मॉक थीटा फंक्शन के संदर्भ से ही वर्तमान में ब्लैक होल पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है तथा आज कैंसर जैसी असाध्य बीमारी के मरीजों की दवा की मात्रा को निर्धारित करने में तथा कैंसर के ग्रोथ पैटर्न को समझने में भी इसी फॉर्मूला का प्रयोग किया जाता है |

कार्यक्रम में मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ अशोक कुमार पांडेय,डॉ. महेश प्रसाद यादव, डॉ प्रमोद कुमार राजपूत, डा.एम. पी. सिंह ,डॉ धर्मेंद्र कुमार , डॉ आदित्य कुमार, डा. ज्योति भदौरिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डॉ दिव्य ज्योति मिश्र, डॉ योगेश शुक्ला, डा. सत्यार्थ प्रकाश मौर्य ,डॉ आनंद सिंह, डॉ. संतोष कुमार चंदेल , शोभा शाक्य, इल्मा सिद्दीकी, शिवानी पाठक ,सौम्या सिंह, औषधि राव, गार्गी भदोरिया, अक्षय राजपूत ,गगन यादव आदि सहित कॉलेज परिवार एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही | कार्यक्रम का सफल संचालन प्राध्यापक अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा किया गया |

<u>संलग्न- 1-</u> 18 दिसंबर 2023 - गणित सप्ताह के शुभारंभ उद्घाटन कार्यक्रम के छायाचित्र|

RAMANUJAN

NATIONAL MATHEMATICS DAY-2023
Mathematics Week from 18 Dec to 24 Dec-2023
RAMANUJAN

2-विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित कार्यक्रम की झलकियां-

'विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे श्री निवास रामानुजन'

कंपूमेल ब्यूरो

बकेवर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली ,भारत सरकार तथा कानपुर विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार जनता कॉलेज बकेवर के संगोष्ठी सभागार में राष्ट्रीय गणित दिवस-2023 के अवसर पर दि. 18 दिसंबर से 24 दिसंबर तक गणित सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म सप्ताह को श्रीनिवास रामानुजन की विरासत का उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। श्रीनिवास रामानुजन के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि संख्या के जादूगर, मौलिक तर्कशक्ति वाले गणितज्ञ हमारे भारतवर्ष में जन्मे श्रीनिवास रामानुजन विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे। डीन विज्ञान संकाय डॉ. नलिनी शुक्ला ने अपने उद्बोधन में श्रीनिवास रामानुजन के जीवन परिचय को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखते हुए कहा कि उन्होंने अपने 32 वर्ष के छोटे से जीवन में गणित के 3900 सिद्धांत बनाए, ब्रिटेन के महान गणितज्ञ प्रो. जी. एच. हार्डी

ने महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को नेचुरल जीनियस का खिताब दिया था, 22 दिसंबर 1887 को जन्मे श्रीनिवास रामानुजन की मृत्यु केवल 32 वर्ष की उम्र में 26 अप्रैल 1920 को हो गई थी। कार्यक्रम संयोजका डॉ इंदु बाला मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि साधारण और संसाधनविहीन परिवार में जन्मे श्रीनिवास रामानुजन ने 12 वर्ष की छोटी उम्र से ही गणित विषय की प्रमेयों पर कार्य शुरू कर दिया था, उनके द्वारा खोजे गए मॉक थीटा फंक्शन के संदर्भ से ही वर्तमान में ब्लैक होल पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है तथा आज कैंसर जैसी असाध्य बीमारी के मरीजों की दवा की मात्रा को निर्धारित करने में तथा कैंसर के ग्रोथ पैटर्न को समझने में भी इसी फॉर्मूला का प्रयोग किया जाता है। कार्यक्रम में मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ अशोक कुमार पांडेय, डॉ. महेश प्रसाद यादव, डॉ प्रमोद कुमार राजपूत, डा.एम. पी. सिंह ,डॉ धर्मेंद्र कुमार, डॉ आदित्य कुमार, डा. ज्योति भदौरिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डॉ दिव्य ज्योति मिश्र, डॉ योगेश शुक्ला, डा. सत्यार्थ प्रकाश मौर्य, डॉ आनंद सिंह, डॉ. संतोष कुमार चंदेल, शोभा शाक्य, इल्मा सिद्दीकी, शिवानी पाठक ,सौम्या सिंह, औषधि राव, गार्गी भदोरिया, अक्षय राजपूत ,गगन यादव आदि सहित कॉलेज परिवार एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन प्राध्यापक अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

राष्ट्र पटल

इटावा, बुधवार 20 दिसम्बर 2023

मौलिक तर्कशक्ति के धनी, विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे श्री निवास रामानुजन : प्रो. राजेश किशोर

युवराज सिंह चौहान

बकेवर (इटावा)। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली ,भारत सरकार तथा कानपुर विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार जनता कॉलेज बकेवर के संगोष्ठी सभागार में राष्ट्रीय गणित दिवस-2023 के अवसर पर दि. 18 दिसंबर से 24 दिसंबर तक गणित सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म सप्ताह को श्रीनिवास रामानुजन की विरासत का उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। श्रीनिवास रामानुजन के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि संख्या के जादूगर, मौलिक तर्कशक्ति वाले गणितज्ञ हमारे भारतवर्ष में जन्मे श्रीनिवास रामानुजन विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे। डीन विज्ञान संकाय डॉ. नलिनी शुक्ला ने अपने उद्बोधन में श्रीनिवास रामानुजन के जीवन परिचय को छात्र-छात्राओं के समक्ष

रखते हुए कहा कि उन्होंने अपने 32 वर्ष के छोटे से जीवन में गणित के 3900 सिद्धांत बनाए, ब्रिटेन के महान गणितज्ञ प्रो. जी.एच. हार्डी ने महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को नेचुरल जीनियस का खिताब दिया था, 22 दिसंबर 1887 को जन्मे श्रीनिवास रामानुजन की मृत्यु केवल 32 वर्ष की उम्र में 26 अप्रैल 1920 को हो गई थी। कार्यक्रम संयोजका डॉ. इंदु बाला मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि साधारण और संसाधनविहीन परिवार में जन्मे श्रीनिवास रामानुजन ने 12 वर्ष की छोटी उम्र से ही गणित विषय की प्रमेयों पर कार्य शुरू कर दिया था, उनके द्वारा खोजे गए मॉक थीटा फंक्शन के संदर्भ से ही वर्तमान में ब्लैक होल पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है तथा आज कैंसर जैसी असाध्य बीमारी के मरीजों की दवा की मात्रा को निर्धारित करने में तथा कैंसर के ग्रोथ पैटर्न को समझने में भी इसी फॉर्मूला का प्रयोग किया जाता है।

कार्यक्रम में मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पांडेय, डॉ. महेश प्रसाद यादव, डॉ. प्रमोद कुमार राजपूत, डा. एमपी सिंह, डा. धर्मेंद्र कुमार, डा. आदित्य कुमार, डा. ज्योति भदौरिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डॉ. दिव्य ज्योति मिश्र, डा. योगेश शुक्ला, डा. सत्यार्थ प्रकाश मौर्य, डा. आनंद सिंह, डा. संतोष कुमार चंदेल, शोभा शाक्य, इल्मा सिद्दीकी, शिवानी पाठक, सौम्या सिंह, औषधि राव, गार्गी भदोरिया, अक्षय राजपूत, गगन यादव आदि सहित कॉलेज परिवार एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन प्राध्यापक अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

विराट मौलिक तर्कशक्ति के धनी, विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे श्री निवास रामानुजन : प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी

बकेवर, १९ दिसंबर (निप्र)।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली ,भारत सरकार तथा कानपुर विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार जनता क लेज बकेवर के संगोष्ठी सभागार मे राष्ट्रीय गणित दिवस- २०२३ के अवसर पर दि. १८ दिसंबर से २४ दिसंबर तक गणित सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है थ विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म सप्ताह को श्रीनिवास रामानुजन की विरासत का उत्सव के रूप मे मनाया जा रहा है थ श्रीनिवास रामानुजन के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य ड राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि संख्या के जादूगर, मौलिक तर्कशक्ति वाले गणितज्ञ हमारे भारतवर्ष में जन्मे श्रीनिवास रामानुजन विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे थ डीन विज्ञान संकाय ड . नलिनी शुक्ला ने अपने उद्बोधन में श्रीनिवास रामानुजन के जीवन परिचय को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखते हुए कहा कि उन्होंने अपने ३२ वर्ष के छोटे से जीवन मे गणित के ३९०० सिद्धांत बनाए, ब्रिटेन के महान गणितज्ञ प्रो. जी. एच. हार्डी ने महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को नेचुरल जीनियस का खिताब दिया था, २२ दिसंबर १८८७ को जन्मे श्रीनिवास रामानुजन की मृत्यु केवल ३२ वर्ष की उम्र मे २६ अप्रैल १९२० को हो गई थी थ कार्यक्रम संयोजका ड इंदु बाला मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि साधारण और संसाधनविहीन परिवार मे जन्मे श्रीनिवास रामानुजन ने १२ वर्ष की छोटी उम्र से ही गणित विषय की प्रमेयों पर कार्य शुरू कर दिया था, उनके द्वारा खोजे गए म क थीटा फंक्शन के संदर्भ से ही वर्तमान मे ब्लैक होल पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है तथा आज कैंसर जैसी असाध्य बीमारी के मरीजों की दवा की मात्रा को निर्धारित करने मे तथा कैंसर के ग्रोथ पैटर्न को समझने मे भी इसी फ मूला का प्रयोग किया जाता है।कार्यक्रम मे मुख्य अनुशासन अधिकारी ड अशोक कुमार पांडेय,ड . महेश प्रसाद यादव, ड प्रमोद कुमार राजपूत, डा.एम. पी. सिंह ,ड धर्मेंद्र कुमार , ड आदित्य कुमार, डा. ज्योति भदौरिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी ड दिव्य ज्योति मिश्र, ड योगेश शुक्ला, डा. सत्यार्थ प्रकाश मौर्य ,ड आनंद सिंह, ड . संतोष कुमार चौरसे , शोभा शाक्य, इल्मा सिद्दीकी, शिवानी पाठक ,सौम्या सिंह, औषधि राव, गार्गी भदौरिया, अक्षय राजपूत ,गगन यादव आदि सहित क लेज परिवार एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन प्राध्यापक अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में सेंट मैरी की शानवी का प्रोजेक्ट चयनित

इटावा, १९ दिसंबर (निप्र)। सेंट मैरी इंटर कालेज, इटावा की छात्रा शानवी का प्रोजेक्ट राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस मे राज्य स्तर के लिए जनपद इटावा से चयनित किया गया है। इस विशेष प्रोजेक्ट को जनपद इटावा के पर्यावरणविद, वन्यजीव विशेषज्ञ सर्पमित्र ड आशीष त्रिपाठी के दिशा निर्देशन मे विद्यालय के सह निर्देशक डेविड सर के मार्गदर्शन मे तैयार किया गया था। ज्ञात हो कि,सेंट मैरी की छात्रा शानवी ने इटावा जनपद मे पाई जाने वाली विभिन्न विषधारी और विषहीन प्रजातियों के विषय पर प्रोजेक्ट में सभी का ध्यानाकर्षण किया था। यह प्रोजेक्ट जनपद स्तर पर राज्य स्तर पर चयनित हुए अन्य प्रोजेक्ट्स मे से ही एक है। जूनियर वर्ग समूह मे शानवी ने पर्यावरणविद ड आशीष के त्रिपाठी के कुशल दिशा निर्देशन मे जनपद के निकट के ग्रामो मे जाकर प्रोजेक्ट के लिए जरूरी जानकारी एकत्र की थी। ज्ञात हो कि,उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सर्पदंश को राज्य आपदा घोषित किया गया है जिसके अंतर्गत मृतक के परिवार को चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि भी शासन द्वारा नियमानुसार दी जाती है। इस प्रोजेक्ट के साथ जनपद से अन्य छह प्रोजेक्ट भी राज्य स्तर के लिए चयनित हुए है शानवी की इस सफलता पर फादर ज बी जोसेफ सहित समस्त विद्यालय परिवार और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया है।

'विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे रामानुजन'

संवाद सूत्र, बकेवर: जनता कालेज के संगोष्ठी सभागार में राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर गणित सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म सप्ताह का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डा. राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि संख्या के जादूगर, मौलिक तर्कशक्ति वाले गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे।

डा. नलिनी शुक्ला ने श्रीनिवास रामानुजन के जीवन परिचय को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखते हुए कहा कि उन्होंने अपने 32 वर्ष के छोटे से जीवन में गणित के 3900 सिद्धांत बनाए, ब्रिटेन के महान गणितज्ञ प्रो. जीएच हार्डी ने महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को नेचुरल जीनियस का खिताब दिया था। कार्यक्रम संयोजक डा. इंदु बाला मिश्रा ने कहा कि साधारण और संसाधनविहीन परिवार में जन्मे श्रीनिवास रामानुजन ने 12 वर्ष की छोटी उम्र से ही गणित विषय की प्रमेयों पर कार्य शुरू कर दिया था, उनके द्वारा खोजे गए माक थीटा फंक्शन के संदर्भ से ही वर्तमान में ब्लैक होल पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है तथा आज कैंसर जैसी असाध्य बीमारी के मरीजों की दवा की मात्रा को निर्धारित करने में तथा कैंसर के ग्रोथ पैटर्न को समझने में भी इसी फार्मूला का प्रयोग किया जाता है। कार्यक्रम में मुख्य अनुशासन अधिकारी डा. अशोक कुमार पांडेय, डा. महेश प्रसाद यादव, डा. प्रमोद कुमार राजपूत, डा. एमपी सिंह, डा. धर्मेंद्र कुमार, डा. आदित्य कुमार, डा. ज्योति भदौरिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डा. दिव्य ज्योति मिश्र, डा. योगेश शुक्ला, डा. सत्यार्थ प्रकाश मौर्य आदि उपस्थिति रहे। संचालन प्राध्यापक अश्वनी कुमार मिश्र ने किया।

विराट मौलिक तर्कशक्ति के धनी, विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे श्रीनिवास रामानुजन: प्रो. राजेश किशोर

बकेवर, 19 दिसंबर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली ,भारत सरकार तथा कानपुर विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार जनता कॉलेज बकेवर के संगोष्ठी सभागार में राष्ट्रीय गणित दिवस- 2023 के अवसर पर दि. 18 दिसंबर से 24 दिसंबर तक गणित सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म सप्ताह को श्रीनिवास रामानुजन की विरासत का उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है द्य श्रीनिवास रामानुजन के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि संख्या के जादूगर, मौलिक तर्कशक्ति वाले गणितज्ञ हमारे भारतवर्ष में जन्मे श्रीनिवास रामानुजन विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे द्य डीन विज्ञान संकाय डॉ. नलिनी शुक्ला ने अपने उद्बोधन में श्रीनिवास रामानुजन के जीवन परिचय को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखते हुए कहा कि उन्होंने अपने 32 वर्ष के छोटे से जीवन में गणित के 3900 सिद्धांत बनाए, ब्रिटेन के महान गणितज्ञ प्रो. जी. एच. हार्डी ने महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को नेचुरल जीनियस का खिताब दिया था, 22 दिसंबर 1887 को जन्मे श्रीनिवास रामानुजन की मृत्यु केवल 32 वर्ष की उम्र में 26 अप्रैल 1920 को हो गई थी द्य कार्यक्रम संयोजका डॉ इंदु बाला मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि साधारण और संसाधनविहीन परिवार में जन्मे श्रीनिवास रामानुजन ने 12 वर्ष की छोटी उम्र से ही गणित विषय की प्रमेयों पर कार्य शुरू कर दिया था, उनके द्वारा खोजे गए मॉक थीटा फंक्शन के संदर्भ से ही वर्तमान में ब्लैक होल पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है तथा आज कैंसर जैसी असाध्य बीमारी के मरीजों की दवा की मात्रा को निर्धारित करने में तथा कैंसर के ग्रोथ पैटर्न को समझने में भी इसी फॉर्मूला का प्रयोग किया जाता है कार्यक्रम में मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ अशोक कुमार पांडेय,डॉ. महेश प्रसाद यादव, डॉ प्रमोद कुमार राजपूत, डा.एम. पी. सिंह ,डॉ धर्मेंद्र कुमार, डॉ आदित्य कुमार, डा. ज्योति भदौरिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डॉ दिव्य ज्योति मिश्र, डॉ योगेश शुक्ला, डा. सत्यार्थ प्रकाश मौर्य ,डॉ आनंद सिंह, डॉ. संतोष कुमार चंदेल, शोभा शाक्य, इल्मा सिद्दीकी, शिवानी पाठक ,सौम्या सिंह, औषधि राव, गार्गी भदोरिया, अक्षय राजपूत,गगन यादव आदि सहित कॉलेज परिवार एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन प्राध्यापक अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

सड़क दुर्घटना में दो घायल

इटावा, 19 दिसम्बर। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल हो गए,एक को गंभीर हालत में परिजन अस्पताल ले गए।कस्बा क्षेत्र अंतर्गत मोहल्ला राजागंज में भरथना-बकेवर मुख्य मार्ग पर मंगलवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार श्याम किशोर (50) निवासी कुँअरा व सुशांत (25) निवासी जारपुरा घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि सामने से आ रहे अज्ञात वाहन के कट से बाइक अनियंत्रित हो गई और उस पर सवार दोनों लोग लगभग 70 मीटर दूर तक घिसटते चले गए और घायल हो गए। घायलों में श्याम किशोर की हालत नाजुक बताई जा रही है। सूचना पर मौके पर पहुँचे परिजनों द्वारा घायलों को निजी वाहन से इलाज के लिए इटावा स्थित निजी अस्पताल में गए।

विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे श्री निवास रामानुजन: प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी

चेतना कार्यालय

बकेवर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली ,भारत सरकार तथा कानपुर विश्वविद्यालय के निदेर्शानुसार जनता कॉलेज बकेवर के संगोष्ठी सभागार में राष्ट्रीय गणित दिवस- 2023 के अवसर पर दि. 18 से 24 दिसंबर तक गणित सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म सप्ताह को श्रीनिवास रामानुजन की विरासत का उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है श्रीनिवास रामानुजन के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि संख्या के जादूगर, मौलिक तर्कशक्ति वाले गणितज्ञ हमारे भारतवर्ष में जन्मे श्रीनिवास रामानुजन विश्व के श्रेष्ठतम गणितज्ञ थे डीन विज्ञान संकाय डॉ. नलिनी शुक्ला ने अपने उद्बोधन में श्रीनिवास रामानुजन के जीवन परिचय को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखते हुए कहा कि उन्होंने अपने 32 वर्ष के छोटे से जीवन में गणित के 3900 सिद्धांत बनाए, ब्रिटेन के महान गणितज्ञ प्रो. जी. एच. हार्डी ने महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को नेचुरल जीनियस का खिताब दिया था, 22 दिसंबर 1887 को जन्मे श्रीनिवास रामानुजन की मृत्यु केवल 32 वर्ष की उम्र में 26 अप्रैल 1920 को हो गई थी कार्यक्रम संयोजका डॉ इंदु बाला मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि साधारण और संसाधनविहीन परिवार में जन्मे श्रीनिवास रामानुजन ने 12 वर्ष की छोटी उम्र से ही गणित विषय की प्रमेयों पर कार्य शुरू कर दिया था, उनके द्वारा खोजे गए मॉक थीटा फंक्शन के संदर्भ से ही वर्तमान में ब्लैक होल पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है तथा आज कैंसर जैसी असाध्य बीमारी के मरीजों की दवा की मात्रा को निर्धारित करने में तथा कैंसर के ग्रोथ पैटर्न को समझने में भी इसी फॉर्मूला का प्रयोग किया जाता है कार्यक्रम में मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ अशोक कुमार पांडेय,डॉ. महेश प्रसाद यादव, डॉ प्रमोद कुमार राजपूत, डा.एम. पी. सिंह ,डॉ धर्मेंद्र कुमार , डॉ आदित्य कुमार, डा. ज्योति भदौरिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डॉ दिव्य ज्योति मिश्र, डॉ योगेश शुक्ला, डा. सत्यार्थ प्रकाश मौर्य ,डॉ आनंद सिंह, डॉ. संतोष कुमार चंदेल, शोभा शाक्य, इल्मा सिद्दीकी आदि रहे।

छात्र -छात्राओं द्वारा गणित सप्ताह के द्वितीय दिवस पर गणित एवं विज्ञान के चल और अचल मॉडल का प्रदर्शन किया गया |

जनता कॉलेज बकेवर में गणित एवं विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का हुआ आयोजन |

जनता कॉलेज बकेवर के पुस्तकालय विभाग में गणित एवं विज्ञान की चल एवं अचल मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन प्राचार्य प्रो.डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी की अध्यक्षता में प्रतियोगिता प्रभारी डॉ इंदु बाला मिश्रा के संयोजन में किया गया| मॉडल प्रदर्शनी में 41 छात्र -छात्राओं ने प्रतिभाग किया | प्रदर्शनी का डॉ ललित गुप्ता, डॉ प्रकाश दुबे ,डॉ योगेश शुक्ला, डॉ दिव्य ज्योति मिश्र, डॉ गोपीनाथ मौर्य, डॉ आनंद सिंह आदि ने अवलोकन किया|

छात्र-छात्राओं को कॉलेज परिवार द्वारा शुभकामनाएं दी गई | छात्र-छात्राओं सहित कॉलेज परिवार के प्राध्यापकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति रही |

संलग्न- विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के छायाचित्र |----------

1- छायाचित्र संलग्न है –

गणित सप्ताह की श्रृंखला के अंतर्गत "दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी" का आयोजन (दि. 22 दिसंबर से 23 दिसंबर 2023) किया गया |

ऊर्जा के न्यूनतम क्षय के साथ नवीन अन्वेषण हमारी पीढ़ी के छात्रों की जिम्मेदारी |

इटावा ,22 दिस.। जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा में गणित सप्ताह की श्रृंखला के अंतर्गत "करेंट ट्रेड्स एंड फ्रंटियर एडवांसेस इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सी टी एफ ए एस टी 2023)" शीर्षक आधारित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। सेमिनार में अतिथियों का कॉलेज की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत करके किया गया। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में स्वागत उद्बोधन सेमिनार के कन्वीनर डॉ प्रकाश दुबे ने दिया तथा सेमिनार के मुख्य शीर्षक की आख्या प्रस्तुत की। सेमिनार के मुख्य अतिथि राजकीय अभियंत्रिकी कॉलेज मैनपुरी के डीन प्रो. दीपेंद्र सिंह ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान सिर्फ उस पर चर्चा से ही हल निकाला जा सकता है, वह चाहे शिक्षा व्यवस्था हो, देश के विकास की बात हो और चाहे किसी भी योजना के बारे में हो। उन्होंने कहा कि इस सेमिनार में 108 शोध पत्रों पर चर्चा होगी जो बहुत हर्ष का विषय है इन शोध पत्रों पर चर्चा करके जो सारांश निकलेगा उससे देश के विकास में सहयोग होगा तथा उन्होंने बताया कि हमारी सरकार निरंतर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक सहायता कर रही है । इस सेमिनार से युवा पीढ़ी को मार्गदर्शन मिलेगा। कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि हमारे देश में जन्मे महान गुरु चरक आर्यभट्ट भास्कराचार्य चाणक्य नागार्जुन गौतम पिंगला मैत्री गार्गी पतंजलि आदि ने जो शिक्षा व्यवस्था प्रस्तुत की वह आज तक देखने को नहीं मिली उससमय शिक्षा संस्कार पूर्ण हो हुआ करती थी जो हमेशा मानव कल्याण की बात करती थी मानव के विकास तथा कल्याण से पूरी तरह जुड़ी हुई शिक्षा से सर्वांगीण विकास संभव था उस समय ऐसे विद्यालय थे जिसमें विद्यार्थियों के रहने खाने अध्यापन करने तथा शोध करने का वातावरण पूर्व से विकसित था जिसमें तक्षशिला, नालंदा ,विक्रम सिला प्रमुख थे प्राचीन समय में मैथमेटिक्स एस्ट्रोलॉजी मेटालर्जी मेडिकल साइंस सर्जरी सिविल इंजीनियर आर्किटेक्ट नेविगेशन योग फाइन आर्ट आज की शिक्षा हमारी शिक्षण संस्थानों में दी जाती थी उस समय भारत की साक्षरता लगभग 97% थी हमारी शिक्षा व्यवस्था को हमारे विश्व गुरु के सपने को एक ग्रहण सा लगा और हम भ्रमित होते चले गए आज पुनः नई शिक्षा नीति 2020 के द्वारा पुनः वहु विषयक संस्थाओं की बात की जा रही है जिसमें स्थानीय भाषा व कलाओं में निपुण होकर रोजगार ढूंढने के दिशा में युवाओं को प्रेरित किया जाएगा अब व्यवस्था नवाचार से जुड़कर भारत को पुनं विश्व गुरु की तरफ ले जाएगी । । कॉलेज के प्रबंध समिति के सचिव अरविंद कुमार मिश्रा ने कहा कि पहले गुरुकुल व्यवस्था थी, जिसमें गुरु एवं शिष्य का संबंध दृढ़ होता था। लेकिन आज के समय में शिक्षा व्यवस्था बस जॉब ओरिएंटेड रह गई है ।उन्होंने कहा कि इस नेशनल सेमिनार में बहुत कुछ नवाचार सीखने को मिलेगा और कहा कि आज के विषय पर समग्र चिंतन करके देश के विकास में सहयोग करना होगा। सेमिनार के की-नोट स्पीकर बाबा भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो. खेम बी. थापा ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी में हम विश्व गुरु हैं। उन्होंने बताया कि विज्ञान के सिद्धांत को समझना और उसको प्रतिस्थापित करना तकनीकी होता है , उन्होंने अपने की-नोट स्पीच में प्रकाश, प्रकाश का पदार्थ से संबंध, फोटोनिक्स, मैक्सवेल का इक्वेशन नियम, ऋणात्मक इंडेक्स मैटेरियल्स, माइक्रोवेव के लिए सबवेवलेंथ, हाइपरबॉलिक पदार्थ तथा विज्ञान के अन्य पहलुओं पर अपने विचारों का साझा किया। डॉ भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के अतिथि वक्ता खेम बी. थापा के मुख्य उद्बोधन की सार्थक चर्चा की प्रशंसा करते हुए छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करते हुए डॉ एन. के. शर्मा, डीन कृषि ,चंद्रशेखर आजाद अभियांत्रिकी महाविद्यालय इटावा ने छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पदार्थ विज्ञान की भूमिका वर्तमान में सस्ते और टिकाऊ उत्पादों को बनाने में प्रासंगिक है, विज्ञान के इस युग में वही छात्र सफल होगा जो अपने क्षेत्र विशेष में तकनीकी रूप से सिद्धहस्त होगा, ऊर्जा के न्यूनतम क्षय के साथ नवीन अन्वेषण हमारी पीढ़ी के छात्रों की जिम्मेदारी है | सैद्धांतिक तथा प्रयोगिक लाभ विज्ञान की उपलब्धियों के दो मुख्य उद्देश्य हैं ,इन्हीं दो उद्देश्यों का संतुलन विज्ञान के क्षेत्र की उपलब्धियां को संतुलित रूप से समाज पर लागू करता है |

संगोष्ठी के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ ललित गुप्ता ने मुख्य अतिथि की उपलब्धियां के बारे में बताया तथा छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए अतिथियों के महत्वपूर्ण उद्बोधन के प्रति धन्यवाद ज्ञापन व्यक्त किया | सेमिनार के तकनीकी सत्र में कानपुर विश्वविद्यालय से पधारे डा. प्रबल प्रताप सिंह ने अपने शोध पत्र में ग्रिफिन आधारित हाइपरबॉलिक मैटा मटेरियल टेरा हर्टज् के गुण को बताते हुए कहा कि इसका उपयोग मानव शरीर में रक्त अवरोध को सुचारू करने तथा सिकाई में प्रयोग होता है, इसे टेरा हर्टज् थेरेपी कहते हैं |

श्री श्याम बाबू मिश्रा सेवानिवृत्त डिप्टी रेंजर ,चंबल सेंचुरी इटावा ने अपने शोध पत्र में चंबल सेंचुरी में जैव विविधता पर प्रकाश डाला |

पी. पी. एन. महाविद्यालय कानपुर से आए एसोसिएट प्रोफेसर सतीश चंद्र ने आदित्य एल वन मिशन की प्रासंगिकता से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किया | जीवन विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग कानपुर विश्वविद्यालय से पधारे डॉ विशाल चंद्र ने अपने शोध पत्र में हर्बल नैनो पार्टिकल द्वारा ड्रग डिलीवरी पर प्रकाश डाला |

मुख्य वक्ता खेम बी.थापा,डॉ प्रबल प्रताप सिंह, डॉ सतीश चंद्र एवं श्री श्याम बाबू मिश्रा, डॉ विशाल चंद्र को प्रतीक चिन्ह अधिष्ठाता विज्ञान संकाय डॉ नलिनी शुक्ला एवं डॉ नवीन अवस्थी आदि द्वारा प्रदान किया गया | कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ ज्योति भदोरिया ने किया। कार्यक्रम में आई क्यू ए सी के कोऑर्डिनेटर डॉ एके पांडेय, डॉ एमपी यादव, डॉ एमपी सिंह, डॉ पी के राजपूत, डॉ डीएन सिंह, डॉधर्मेंद्र कुमार, डॉ आदित्य कुमार ,डॉ डीजे मिश्रा, डॉ योगेश शुक्ला, डॉ सत्यार्थ प्रकाश मौर्य, डॉक्टर गोपीनाथ मौर्य, डॉ संजीव कुमार ,डॉ संजय विश्वकर्मा, डॉ मनोज यादव, डॉ अभिषेक प्रताप सिंह,डॉ संतोष कुमार चंदेल, श्री कुलदीप अवस्थी ,शिवमोहन अग्निहोत्री, पवन सक्सेना ,सुबोध शुक्ला, मनोज दीक्षित, ऋषि राज, अमर सिंह, सुनील शुक्ला, रमेश पाल, अनुज कठेरिया आदि की सहभागिता रही, इसके साथ-साथ कॉलेज के प्रत्येक कर्मचारी एवं कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स, बीएससी, एमएससी एवं शोध छात्रों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही ।

संलग्न –

1-सेमिनार स्मारिका का विमोचन करते हुए अतिथिगण के छायाचित्र |

NATIONAL SEMINAR
Current Trends & Frontier Advances in Science and Technology
(CTFAST-2023)
22 & 23 December, 2023
IQAC & FACULTY OF SCIENCE

NATIONAL SEMINAR
Current Trends & Frontier Advances in Science and Technology
(CTFAST-2023)
22 & 23 December, 2023

2-विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित कार्यक्रम की झलकियां-

शनिवार, 23 दिसम्बर 2023

ऊर्जा के न्यूनतम क्षय के साथ नवीन अन्वेषण हमारी पीढ़ी के छात्रों की जिम्मेदारी

शिक्षा एक बार फिर भारत को विश्व गुरु बनाएगी

संवाददाता बकेवर, इटावा

अमृत विचार। जनता कॉलेज में करंट ट्रेंड्स एंड फ्रंटियर एडवांसेस इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सीटीएफएसटी 2023) शीर्षक पर दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार के उद्घाटन सत्र में कन्वीनर डॉ प्रभात दुबे ने मुख्य शीर्षक की व्याख्या प्रस्तुत की। राजकीय अभियांत्रिकी कॉलेज मैनपुरी के डीन प्रो. दीपेंद्र सिंह ने कहा कि सेमिनार में 108 शोध पत्रों पर चर्चा होगी। इन शोध पत्रों पर चर्चा करके जो सारांश निकलेगा, उससे देश के विकास में सहयोग होगा। बताया कि सरकार निरंतर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक सहायता कर रही है।

प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि हमारे देश में जन्मे महान गुरु चरक आर्यभट्ट भास्कराचार्य चाणक्य नागार्जुन गौतम पिंगला मैत्री गार्गी पतंजलि आदि ने जो शिक्षा व्यवस्था प्रस्तुत की वह आज तक देखने को नहीं मिली। ई शिक्षा नीति पुनः बहु विषयक संस्थाओं की बात की जा रही है। जिसमें स्थानीय भाषा व कलाओं में निपुण होकर रोजगार ढूंढने के दिशा में युवाओं को प्रेरित किया जाएगा। अब व्यवस्था नवाचार से जुड़कर भारत को पुनः विश्व गुरु की तरफ ले जाएगी।

कॉलेज के प्रबंध समिति के सचिव अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि पहले गुरुकुल व्यवस्था थी, जिसमें गुरु एवं शिष्य का संबंध दृढ़ होता था। लेकिन आज के समय में शिक्षा व्यवस्था बस जॉब ओरिएंटेड रह गई है। बाबा भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो सी खेम चाप ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी में हम विश्व गुरु हैं। कार्यक्रम में डीन कृषि इंजीनियरिंग कालेज डॉ एनके शर्मा, सेक्रेटरी डॉ ललित गुप्ता ने धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ ज्योति भदौरिया ने किया। कार्यक्रम में डॉ एके पांडेय, डॉ एमपी यादव, डॉ एमपी सिंह, डॉ पी के राजपूत, डॉ डीएन सिंह, डॉ धर्मेंद्र कुमार, डॉ आदित्य कुमार, डॉ डीजे मिश्रा, डॉ योगेश शुक्ला, डॉ सत्यार्थ प्रकाश मौर्य, डॉक्टर गोपीनाथ मौर्य, डॉ संजीव कुमार, डॉ संजय विश्वकर्मा ने भाग लिया।

● जनता कालेज बकेवर में सेमिनार में 108 शोध पत्रों पर होगी चर्चा

सीटीएफएसटी के सेमिनार की विवरणिका का विमोचन करते प्राचार्य डॉ. राजेश एवं अन्य। अमृत विचार

कानपुर
शनिवार
23 दिसंबर 2023
02

शहर 30s

मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि डीन प्रो दीपेंद्र सिंह व अन्य।

शिक्षण पद्धति के बदलाव पर चर्चा

बकेवर। जनता कॉलेज में बुधवार को करेंट ट्रेड्स एंड फ्रंटियर एडवांसेस इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि राजकीय अभियंत्रिकी कॉलेज मैनपुरी के डीन प्रो. दीपेंद्र सिंह ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान सिर्फ उस पर चर्चा से ही हल निकाला जा सकता है, प्रो. सी खेम थापा, डॉ एन. के. शर्मा, डॉ ललित गुप्ता, डा. प्रबल प्रताप सिंह, सेवानिवृत्त डिप्टी रेंजर श्याम बाबू मिश्रा, प्रोफेसर सतीश चंद्र, डॉ विशाल चंद्र, डॉ नलिनी शुक्ला, डॉ नवीन रहे।

ऊर्जा के न्यूनतम क्षय के साथ नवीन अन्वेषण हमारी पीढ़ी के छात्रों की जिम्मेदारी

[illegible]

'नवाचार को बढ़ाने के लिए सरकार कर ही सहायता'

- विज्ञान के आयामों पर राष्ट्रीय सेमिनार में बोले डीन प्रो. देवेंद्र
- तकनीकी सत्र में कई कालेजों के प्रोफेसरों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए

कार्यक्रम में मौजूद डा. दीपेंद्र सिंह (बाएं से तीसरे) व प्राचार्य राजेश किशोर त्रिपाठी • जागरण

संवाद सूत्र, बकेवर : जनता कालेज में करेंट ट्रेड्स एंड फ्रंटियर एडवांसेस इन साइंस एंड टेक्नोलाजी (सीटीएफएएसटी 2023) शीर्षक पर आयोजित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार के पहले दिन राजकीय अभियांत्रिकी कालेज मैनपुरी के डीन प्रो. दीपेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार निरंतर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक सहायता कर रही है। इस सेमिनार से युवा पीढ़ी को मार्गदर्शन मिलेगा। सेमिनार में 108 शोध पत्रों पर चर्चा होगी, इससे जो सारांश निकलेगा उससे देश के विकास में सहयोग होगा।

कालेज के प्राचार्य डा. राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि भारतवर्ष में जन्मे महान गुरु चरक, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, चाणक्य, नागार्जुन, गौतम, पिंगला, मैत्री, गार्गी, पतंजलि आदि ने जो शिक्षा व्यवस्था प्रस्तुत की वह आज तक देखने को नहीं मिली। उस समय शिक्षा संस्कार पूर्ण हो हुआ करती थी जो हमेशा मानव कल्याण की बात करती थी। मानव के विकास तथा कल्याण से पूरी तरह जुड़ी हुई शिक्षा से सर्वांगीण विकास संभव था। आज नई शिक्षा नीति 2020 द्वारा पुनः बहु विषयक संस्थाओं की बात की जा रही है, जिसमें स्थानीय भाषा व कलाओं में निपुण होकर रोजगार ढूंढने की दिशा में युवाओं को प्रेरित किया जाएगा। कालेज की प्रबंध समिति के सचिव अरविंद कुमार मिश्रा ने कहा कि पहले गुरुकुल व्यवस्था थी, जिसमें गुरु एवं शिष्य का संबंध दृढ़ होता था। लेकिन आज के समय में शिक्षा व्यवस्था बस जाब ओरिएंटेड रह गई है। सेमिनार के की-नोट स्पीकर बाबा भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो. सी. खेम थापा ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी में हम विश्व गुरु हैं। कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के डीन डा. एनके शर्मा ने कहा कि विज्ञान के इस युग में वही छात्र सफल होगा जो अपने क्षेत्र विशेष में तकनीकी रूप से सिद्धहस्त होगा। तकनीकी सत्र में सीएसजेएम कानपुर विश्वविद्यालय से आए डा. प्रबल प्रताप सिंह, चंबल सैक्चुअरी के सेवानिवृत्त डिप्टी रेंजर श्याम बाबू मिश्रा, पीपीएन महाविद्यालय कानपुर से आए एसोसिएट प्रोफेसर सतीश चंद्र, जीवन विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग कानपुर विश्वविद्यालय से आए डा. विशाल चंद्र ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। आयोजन सचिव डा. ललित गुप्ता, संयोजक डा. प्रकाश दुबे, डा. नलिनी शुक्ला एवं डा. नवीन अवस्थी ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डा. ज्योति भदौरिया ने किया।

ब्रेक वाइंडिंग रुकी रही नी

बलरई स्टेशन पर र
एक्सप्रेस • जागरण

संस. जसवंतनग
एक्सप्रेस को ब्रेक
चिपक जाने पर
होने पर बलरई
25 मिनट के लि
के बाद ट्रेन को
रवाना किया गया

नई दिल्ली-हा
नई दिल्ली से च
नीलांचल एक्स
तीसरे कोच में ब्रे
थी, जिसके ना
एक्सप्रेस को दो
स्टेशन की सूचन
स्टेशन पर दोपह
हो गई।

4 दैनिक जागरण कानपुर, 23 दिसंबर, 2023
इटावा जागरण

दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का द्वितीय व समापन दिवस -

इटावा ,23 दिस.। जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा के संगोष्ठी सभागार में करेंट ट्रेंड्स एंड फ्रंटियर एडवांसेस इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सी टी एफ ए एस टी 2023) शीर्षक पर आधारित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार के दूसरे दिन के प्रथम तकनीकी सत्र में पोस्टर प्रेजेंटेशन सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें भौतिक विज्ञान की थीम पर पोस्टर प्रेजेंटेशन में सिमरन भदोरिया प्रथम स्थान, विशाल व लक्ष्मी का द्वितीय स्थान एवं अनम सिद्दीकी और शैलजा पाल का तृतीय स्थान रहा। जीवन विज्ञान के पोस्टर तकनीकी सत्र में शिप्रा शाक्य का प्रथम स्थान, पियल का द्वितीय स्थान एवं प्रज्वल और वैष्णवी का तृतीय स्थान रहा। इस पोस्टर तकनीकी सत्र में निर्णायक डॉ मनोज कुमार त्रिपाठी, डॉ सीमा एवं प्रो. प्रतिभा श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में किया गया। पोस्टर तकनीकी सत्र के अंत में सेमिनार के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ ललित गुप्ता ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। सेमिनार के तृतीय तकनीकी सत्र में वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्रों को प्रस्तुत किया। जिसमें मंचासीन अतिथि के रूप में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अंबेडकर नगर से पधारे प्रो. विशाल चंदेल चेयरपर्सन के रूप में एवं को-चेयरपर्सन के रूप में प्रो राकेश वर्मा एवं डॉ मनीषी गुप्ता रहीं |

एम. एम.एस. कॉलेज गाजियाबाद से अतिथि वक्ता डॉ सीमा कोहली ने अपने शोध पत्र में प्राचीन भारतीय ज्ञान - विज्ञान परंपरा की वर्तमान में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए इसे संस्कारों का वाहक बताया एवं नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा के साथ छात्रों को संस्कारवान बनाने की क्षमता वाला बताते हुए कहा कि यह अखंड भारत के अस्तित्व के पुनर्निर्माण का समय है |

सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ से पधारे अतिथि डॉ मनोज त्रिपाठी ने अपने शोध पत्र में सुशासन की मूल परिभाषा को भारतवर्ष की देन बताते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान तंत्र को उत्तम शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य के साथ कला और संस्कृति का समन्वय है , जबकि पाश्चात्य देशों की शिक्षा व्यवस्था जहां युवाओं को तनाव देकर आत्मघाती बनाती है, वहीं भारतीय ज्ञान परंपरा शांति, समृद्धि के सूत्रों के साथ सर्वे भवंतु सुखिन: की बात करती है | राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अंबेडकर नगर के अतिथि वक्ता डॉ देवेंद्र प्रताप मिश्रा ने भारतीय औषधियुक्त पौधों के द्वारा अस्थियों के क्षरण (ऑस्टियोपोरोसिस) को बचाने से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किया | श्री रामस्वरूप मेमोरियल इंजीनियरिंग कॉलेज लखनऊ से डॉ उपेंद्र कुमार मिश्रा ने डीजल वाहनों से संबंधित धुंये और गैसों को डाप्ड सीरियम आक्साइड नैनो पार्टिकल से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत कर वातावरण को वायु प्रदूषण से बचाने की बात कही |

संगोष्ठी संयोजक डॉ प्रकाश दुबे ने अपने शोध पत्र में भारतीय दर्शन ,वेदों और उपनिषदों के श्लोक व सूत्रों को विज्ञान और तकनीकी की सभी शाखाओं का मूल-आधार बताते हुए कहा कि आधुनिक विज्ञान और तकनीकी की उत्पत्ति प्राचीन ग्रंथो की संग्रहित पांडुलिपियों की देन है, वर्तमान कंप्यूटर विज्ञान की खोज का उल्लेख सहस्त्रों वर्ष पूर्व महर्षि पाणिनि ने आठवीं ईसा पूर्व अपने अष्टाध्यायी ग्रंथ में कर दिया था |

शोध प्रस्तुत करने वाले अतिथि विद्वानों को प्रतीक चिन्ह अधिष्ठाता विज्ञान संकाय डॉ नलिनी शुक्ला, डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. ज्योति भदोरिया, डॉ. इंदु बाला मिश्रा एवं डॉ नवीन अवस्थी आदि द्वारा प्रदान किया गया |नेशनल सेमिनार के चतुर्थ व अंतिम तकनीकी सत्र में ग्रेटर नोएडा से पधारे अतिथि वक्ता डॉ राकेश वर्मा ने विज्ञान एवं तकनीक के द्वारा सफल जीवन प्रबंधन संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किया | चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं अभियांत्रिकी कृषि महाविद्यालय इटावा से आए डीन कृषि डॉ. एन. के.शर्मा ने ऑप्टिकल फाइबर तकनीक से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किया |

दो दिवसीय नेशनल सेमिनार के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा अधिकारी कानपुर डॉ रिपुदमन सिंह व डॉ ए.के. शर्मा, प्राचार्य, जनता महाविद्यालय, अजीतमल, विशिष्ट अतिथि,प्राचार्य, वी.जी एम. डिग्री कॉलेज, दिबियापुर, डॉ इकरार अहमद, कॉलेज के प्रबंध समिति के सेक्रेटरी अरविंद कुमार मिश्रा, कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी, ऑर्गेनाइजिंग कन्वीनर डॉ प्रकाश दुबे, ऑर्गेनाइजेशन सेक्रेटरी डॉ ललित गुप्ता आदि ने

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा अधिकारी, कानपुर, डॉ रिपुदमन सिंह ने कहा कि यह जो सेमिनार होते हैं यह कॉलेज की जान होते हैं जिससे प्राध्यापक एवं छात्रों को नई तकनीकी ज्ञान मिलता है। प्लेटफॉर्म होता है उन्होंने कहा कि छात्रों यह क्लास की टीचिंग के अतिरिक्त सेमिनार आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है उन्होंने सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्राचार्य, जनता महाविद्यालय, अजीतमल प्रो. ए. के. शर्मा ने कहा कि आदर्श की बातें करना जितना आसान है, उतना ही उसको आत्मसार करना कठिन है। उन्होंने इस सफल नेशनल सेमिनार के आयोजन के लिए सराहना की। सेमिनार के विशिष्ट अतिथि प्राचार्य, वी.जी.एम. कालेज, दिबियापुर प्रो. इकरार अहमद ने कहा कि नेशनल सेमिनार में श्रोता महत्वपूर्ण होता है और श्रोता के लिए संस्कृत के श्लोक के माध्यम से परिभाषित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मैं निर्पेक्ष रूप से कह रहा हूं कि जनता कॉलेज बकेवर, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय की अग्रणी संस्था है। कॉलेज प्रबंधन समिति के सेक्रेटरी अरविंद कुमार मिश्रा ने सभी आयोजकों का धन्यवाद करते हुए कहा की सेमिनार की पर चर्चा से देश की प्रगति होगी। कॉलेज के प्राचार्य डॉ आर के त्रिपाठी ने नेशनल सेमिनार में 108 शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले सभी डेलिगेट्स की सराहना की और उन्होंने बताया कि इस नेशनल सेमिनार की परिचर्चा से निश्चित रूप से इस क्षेत्र से लेकर देश के विकास में सहयोग होगा। डॉ त्रिपाठी ने बताया कि इस सेमिनार से यहां पर सहभागिता करने वाले शोध छात्रों को भविष्य में बहुत काम आएगा । उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी डेलिगेट्स, सेमिनार की समितियां के सभी सहयोगियों का धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के कन्वीनर डॉ प्रकाश दुबे ने सभी अतिथियों का स्वागत उद्बोधन किया। नेशनल सेमिनार की दोनों दिवसों की आख्या को-कंवीनर डॉ नवीन अवस्थी ने प्रस्तुत की। सेमिनार के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ ललित गुप्ता ने सभी विजेताओं को मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र वितरित किया। कॉलेज के अंत में डॉक्टर इंदु वाला मिश्रा ने सभी अतिथियों का सभी डेलिगेट्स का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर ज्योति भदोरिया ने किया। सेमिनार में देश भर से आए हुए सभी डेलीगेट्स की सहभागिता रही, इसके साथ-साथ कॉलेज के प्रत्येक कर्मचारी एवं कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स, बीएससी, एमएससी एवं शोध छात्रों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही ।

1-छायाचित्र संलग्न –

JANTA COLLEGE BAKEWAR
CONCLUSION

2-विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित कार्यक्रम की झलकियां-

प्रसार क्षेत्र एवं सूचना

कर्रट विज़न (हिन्दी दैनिक)

CURRENT VISION

हिन्दी दैनिक

करंट विज़न

RNI-UPHIN/2012/50492

प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान परम्परा वर्तमान में भी प्रासंगिक रूप से संस्कारों की है वाहक

करंट विज़न संवाददाता

इटावा। जनता कॉलेज बकेवर, इटावा में दो दिवसीय नेशनल सेमिनार के दूसरे दिन के प्रथम तकनीकी सत्र में पोस्टर प्रेजेंटेशन सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें भौतिक विज्ञान की थीम पर पोस्टर प्रेजेंटेशन में सिमरन भदोरिया प्रथम स्थान, विशाल व लक्ष्मी का द्वितीय स्थान एवं अनम सिद्दीकी और शैलजा पाल का तृतीय स्थान रहा। जीवन विज्ञान के पोस्टर तकनीकी सत्र में शिप्रा शाक्य का प्रथम स्थान, पियल का द्वितीय स्थान एवं प्रज्वल और वैष्णवी का तृतीय स्थान रहा। इस पोस्टर तकनीकी सत्र में निर्णायक डॉ मनोज कुमार त्रिपाठी, डॉ सीमा एवं प्रो. प्रतिभा श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में किया गया। पोस्टर तकनीकी सत्र के अंत में सेमिनार के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ ललित गुप्ता ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेमिनार के तृतीय तकनीकी सत्र में वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्रों को प्रस्तुत किया। जिसमें मंचासीन अतिथि के रूप में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अंबेडकर नगर से पधारे प्रो. विशाल चंदेल चेयरपर्सन के रूप में एवं को-चेयरपर्सन के रूप में प्रो राकेश वर्मा एवं डॉ मनीषी गुप्ता रहीं। एम.एम.एस. कॉलेज गाजियाबाद से अतिथि वक्ता डॉ सीमा कोहली ने अपने शोध पत्र में प्राचीन भारतीय ज्ञान -विज्ञान परंपरा की वर्तमान में प्रासंगिकता पर

प्रकाश डालते हुए इसे संस्कारों का वाहक बताया एवं नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा के साथ छात्रों को संस्कारवान बनाने की क्षमता वाला बताते हुए कहा कि यह अखंड भारत के अस्तित्व के पुनर्निर्माण का समय है। सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ से पधारे अतिथि डॉ मनोज त्रिपाठी ने अपने शोध पत्र में सुशासन की मूल परिभाषा को भारतवर्ष की देन बताते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान तंत्र को उत्तम शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य के साथ कला और संस्कृति का समन्वय है, जबकि पाश्चात्य देशों की शिक्षा व्यवस्था जहां युवाओं को तनाव देकर आत्मघाती बनाती है, वहीं भारतीय ज्ञान परंपरा शांति, समृद्धि के सूत्रों के साथ सर्वे भवंतु सुखिनः की बात करती है। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अंबेडकर नगर के अतिथि वक्ता डॉ देवेंद्र प्रताप मिश्रा ने भारतीय औषधियुक्त पौधों के द्वारा अस्थियों के क्षरण (ऑस्टियोपोरोसिस) को बचाने से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किया। श्री रामस्वरूप मेमोरियल इंजीनियरिंग कॉलेज लखनऊ से डॉ उपेंद्र कुमार मिश्रा ने डीजल वाहनों से संबंधित धुंये और गैसों को डाप्ड सीरियम आक्साइड नैनो पार्टिकल से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत कर वातावरण को वायु प्रदूषण से बचाने की बात कही।

संगोष्ठी संयोजक डॉ प्रकाश दुबे ने अपने शोध पत्र में भारतीय दर्शन, वेदों और उपनिषदों के श्लोक व सूत्रों को विज्ञान और तकनीकी की सभी शाखाओं का मूल—आधार बताते हुए कहा कि आधुनिक विज्ञान और तकनीकी की उत्पत्ति प्राचीन ग्रंथों की संग्रहित पांडुलिपियों की देन है, वर्तमान कंप्यूटर विज्ञान की खोज का उल्लेख सहस्त्रों वर्ष पूर्व महर्षि पाणिनि ने आठवीं ईसा पूर्व अपने अष्टाध्यायी ग्रंथ में कर दिया था। शोध प्रस्तुत करने वाले अतिथि विद्वानों को प्रतीक चिन्ह अधिष्ठाता विज्ञान संकाय डॉ नलिनी शुक्ला, डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. ज्योति भदोरिया, डॉ. इंदु बाला मिश्रा एवं डॉ नवीन अवस्थी आदि द्वारा प्रदान किया गया। नेशनल सेमिनार के चतुर्थ व अंतिम तकनीकी सत्र में ग्रेटर नोएडा से पधारे अतिथि वक्ता डॉ राकेश वर्मा ने विज्ञान एवं तकनीक के द्वारा सफल जीवन प्रबंधन संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किया। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं अभियांत्रिकी कृषि महाविद्यालय इटावा से आए डीन कृषि डॉ. एन. के.शर्मा ने ऑप्टिकल फाइबर तकनीक से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किया। दो दिवसीय नेशनल सेमिनार के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा अधिकारी कानपुर डॉ रिपुदमन सिंह व डॉ ए.के. शर्मा प्राचार्य, जनता महाविद्यालय, अजीतमल, विशिष्ट अतिथि,प्राचार्य, बी.जी एम. डिग्री कॉलेज, दिबियापुर, डॉ इकरार अहमद, कॉलेज के प्रबंध समिति के सेक्रेटरी अरविंद कुमार मिश्रा, कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी, ऑर्गेनाइजिंग कन्वीनर डॉ प्रकाश दुबे, ऑर्गेनाइजेशन सेक्रेटरी डॉ ललित गुप्ता आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा अधिकारी, कानपुर डॉ रिपुदमन सिंह ने कहा कि यह जो सेमिनार होते हैं यह कॉलेज की जान होते हैं जिससे प्राध्यापक एवं छात्रों को नई तकनीकी ज्ञान मिलता है।

उन्होंने कहा कि छात्रों हेतु क्लास की टीचिंग के अतिरिक्त सेमिनार आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है उन्होंने सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अतिथि प्राचार्य जनता महाविद्यालय, अजीतमल प्रो. ए. के. शर्मा ने कहा कि आदर्शों की बातें करना जितना आसान है, उतना ही उसको आत्मसात करना कठिन है, उन्होंने इस सफल नेशनल सेमिनार के आयोजन के लिए सराहना की। सेमिनार के विशिष्ट अतिथि प्राचार्य, बी.जी.एम. कालेज, दिबियापुर प्रो. इकरार अहमद ने कहा कि नेशनल सेमिनार में श्रोता महत्वपूर्ण होता है और श्रोता के लिए संस्कृत के श्लोक के माध्यम से परिभाषित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मैं निर्पेक्ष रूप से कह रहा हूं कि जनता कॉलेज बकेवर, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय की अग्रणी संस्था है। कॉलेज प्रबंधन समिति के सेक्रेटरी अरविंद कुमार मिश्रा ने सभी आयोजकों का धन्यवाद करते हुए कहा की सेमिनार की चर्चा से देश की प्रगति होगी। कॉलेज के प्राचार्य डॉ आर के त्रिपाठी ने नेशनल सेमिनार में 108 शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले सभी डेलिगेट्स की सराहना की और उन्होंने बताया कि इस नेशनल सेमिनार की परिचर्चा से निश्चित रूप से इस क्षेत्र से लेकर देश के विकास में सहयोग होगा। डॉ त्रिपाठी ने बताया कि इस सेमिनार से यहां पर सहभागिता करने वाले शोध छात्रों को भविष्य में बहुत काम आएगा।

जनता कालेज में पोस्टर प्रेजेंटेशन सत्र का किया गया आयोजन

चेतना कार्यालय

बकेवर। जनता कॉलेज के संगोष्ठी सभागार में करेंट ट्रेंड्स एंड फ्रंटियर एडवांसेस इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सी टी एफ ए एस टी 2023) शीर्षक पर आधारित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार के दूसरे दिन के प्रथम तकनीकी सत्र में पोस्टर प्रेजेंटेशन सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें भौतिक विज्ञान की थीम पर पोस्टर प्रेजेंटेशन में सिमरन भदोरिया प्रथम स्थान, विशाल व लक्ष्मी का द्वितीय स्थान एवं अनम सिद्दीकी और शैलजा पाल का तृतीय स्थान रहा। जीवन विज्ञान के पोस्टर तकनीकी सत्र में शिप्रा शाक्य का प्रथम स्थान, पियल का द्वितीय स्थान एवं प्रज्वल और वैष्णवी का तृतीय स्थान रहा। इस पोस्टर तकनीकी सत्र मे निर्णायक डॉ मनोज कुमार त्रिपाठी, डॉ सीमा एवं प्रो. प्रतिभा श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में किया गया। पोस्टर तकनीकी सत्र के अंत मे सेमिनार के ऑगेर्नाइजिंग सेक्रेटरी डॉ ललित गुप्ता ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। सेमिनार के तृतीय तकनीकी सत्र में

वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्रों को प्रस्तुत किया। जिसमें मंचासीन अतिथि के रूप में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अंबेडकर नगर से पधारे प्रो. विशाल चंदेल चेयरपर्सन के रूप में एवं को-चेयरपर्सन के रूप में प्रो राकेश वर्मा एवं डॉ मनीषी गुप्ता रहीं। एम. एम.एस. कॉलेज गाजियाबाद से अतिथि वक्ता डॉ सीमा कोहली ने अपने शोध पत्र में प्राचीन भारतीय ज्ञान -विज्ञान परंपरा की वर्तमान में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए इसे संस्कारों का वाहक बताया एवं नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा के साथ छात्रों को संस्कारवान बनाने की क्षमता वाला बताते हुए कहा कि यह अखंड भारत के अस्तित्व के पुनर्निर्माण का समय है सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ से पधारे अतिथि डॉ मनोज त्रिपाठी ने अपने शोध पत्र में सुशासन की मूल परिभाषा को भारतवर्ष की देन बताते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान तंत्र को उत्तम शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य के साथ कला और संस्कृति का समन्वय है , जबकि पाश्चात्य देशों की शिक्षा व्यवस्था जहां युवाओं को तनाव देकर आत्मघाती बनाती है, वहीं भारतीय ज्ञान परंपरा शांति, समृद्धि के सूत्रों के साथ सर्वे भवंतु सुखिनः की बात करती है' राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अंबेडकर नगर के अतिथि वक्ता डॉ देवेंद्र प्रताप मिश्रा ने भारतीय औषधियुक्त पौधों के द्वारा अस्थियों के क्षरण (ऑस्टियोपोरोसिस) को बचाने से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पोस्टर प्रतियोगिता का निरीक्षण करते आयोजक। संवाद

पोस्टर प्रतियोगिता में सिमरन व शिप्रा ने मारी बाजी

बकेवर। जनता कॉलेज में आयोजित विज्ञान गोष्ठी के पहले दिन तकनीकी सत्र में भौतिकी विज्ञान की थीम पर बने पोस्टरों का प्रदर्शन हुआ। एमएससी भौतिकी विज्ञान प्रथम वर्ष की सिमरन भदौरिया ने पहला स्थान, विशाल व लक्ष्मी ने दूसरा स्थान और अनम सिद्दीकी व शैलजा पाल ने तीसरा स्थान पाया। जीव विज्ञान के पोस्टर तकनीकी सत्र में एमएससी फाइनल की शिप्रा शाक्य ने पहला, पियल ने दूसरा और प्रज्ज्वल व वैष्णवी को तीसरा स्थान मिला। निर्णायक मंडल में सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ के डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी, एमएमएस कॉलेज गाजियाबाद की प्रोफेसर डॉ. सीमा कोहली एवं ताखा कॉलेज से आई असिस्टेंट प्रोफेसर प्रतिभा श्रीवास्तव ने पोस्टरों का अवलोकन किया। सत्र के अंत में सेमिनार के कन्वीनर डॉ. प्रकाश दुबे व सेक्रेटरी डॉ. ललित गुप्ता ने आभार जताया। प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी, डॉ. एके पांडेय, कंवीनर कमेटी की सह सेक्रेटरी डॉ. नलिनी शुक्ला, डॉ. ज्योति भदौरिया, डॉ. इंदुबाला मिश्रा, डॉ. डीएन सिंह डॉ. नवीन व डॉ. मनोज यादव मौजूद रहे। (संवाद)

दि. <u>24 दिसंबर 2023</u>

==========